EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The Zee-Sony merger looks set for a long drawn legal battle. And with Invesco tightening the screw demanding the removal of Punit Goenka and the call for an EGM session. The Zee board outrightly rejecting the demand for a EGM, the entire saga smacks of a hidden agenda and conspiracy to scuttle the merger deal. We could see a long drawn corporate battle ahead. And the net result will be the merger not going through, thereby depriving the chance of Zee-Sony becoming a major behemoth in the broadcast industry and giving Disney-Star a run for their money. Media Beat Column by noted media expert Ashok Mansukhani sheds light on the whole episode. Please check out the article.

The future of the cable industry to survive and thrive ahead is to adopt and venture into broadband. Cable industry has had a great run in the last couple of decades despite great challenges and lack of government support. The pandemic and the proliferation of OTT and DTH has impeded the growth of this sector. The only way forward is to innovate and step onto the broadband bandwagon and secure their future.

There have been rumours of Adani Group trying to enter the media industry. This could be a major development if it fructifies. And the broadcast and cable industry need more investment coming in to keep the industry growing.

The relief provided by the Govt to the telecom sector is bound to give a new lease of life to Vodafone and ensure that they are able to continue to remain in business. More reforms are on the anvil as promised by the government.

The ongoing tussle between DTH service providers and broadcasters who are offering free channels on DD's Free Dish is getting heated up. The DTH operators have serious reservations and complain that the availability of pay channels for free on DD Free Dish is not fair and does not provide for a level-playing field and parity. Even the cable operators have voiced their grievances to the government on this subject.

ABIS Knowledge Summit 2021 will be held virtually from October 21-23, 2021. On October 22, there will a focussed session covering the SCaT industry and will have fireside chats, panel session and technology presentations. Register in advance.

(Manoj Kumar Madhavan)

जी–सोनी विलय एक लंबी कानूनी लड़ाई के लिए तैयार है। इधर इन्वेस्को ने पुनीत गोयनका को हटाने और ईजीएम सत्र के आह्वान की की मांग को लेकर दबाव बढ़ा दिया है। जी बोर्ड ने ईजीएम की मांग को सिरे से खारिज कर दिया है, पूरी गाथा में एक छिपी हुए एजेंडे की बू आती है और विलय के सौदे को विफल खत्म करने की साजिश रचती है। हम आगे एक लंबी खींची गयी कॉर्पोरेट लड़ाई देख सकते हैं। इसका स्पष्ट परिणाम होगा कि विलय नहीं हो रहा है, और इस तरह जी–सोनी के प्रसारण उद्योग में एक प्रमुख दिग्गज बनने और डिज्नी–स्टार को कड़ी टक्कर देने से मरहूम रह जायेगा। प्रख्यात मीडिया विशेषज्ञ अशोक मनसुखानी द्वारा मीडिया बीट कॉलम पूरे प्रकरण पर प्रकाश डालता है। कृपया लेख देखें।

केबल उद्योग के जीवित रहने और आगे बढ़ने का भविष्य ब्रॉडबैंड को अपनाना और उद्यम करना है। केबल उद्योग ने पिछले कुछ दशकों में बड़ी चुनौतियों और सरकारी समर्थन की कमी के बावजूद बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। महामारी और ओटीटी व डीटीएच के प्रसार ने इस क्षेत्र के विकास को बाधित किया है। आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका ब्रॉडबैंड क्षेत्र में प्रवेश करना और भविष्य को सुनिश्चित करना है।

अडानी समूह द्वारा मीडिया उद्योग में प्रवेश करने की कोशिश करने की अफवाहें सामने आई है। अगर यह फलीभूत होता है तो यह एक बड़ा विकास हो सकता है। इस तरह प्रसारण और केबल उद्योग को उद्योग को विकसित करने के लिए और अधिक निवेश की आवश्यकता है।

दूरसंचार क्षेत्र को सरकार द्वारा प्रदान की गयी राहत वोडाफोन को एक नया जीवन प्रदान करने के लिए मजबूर करेगा और यह सुनिश्चित करती है कि वे व्यवसाय में बने रहने में सक्षम होंगे। सरकार के वादे के मुताबिक और भी सुधार किये जाने है।

डीटीएच सेवा प्रदाताओं और डीडी के फ्रीडिश पर मुफ्त चैनल की पेशकश करने वाले प्रसारकों के बीच चल रही खींचतान तेज होती जा रही है। डीटीएच ऑपरेटरों को गंभीर आपत्ति है और शिकायत है कि डीडी फ्रीडिश पर मुफ्त में पे चैनलों की उपलब्धता उचित नहीं है और एक समान अवसर और समानता प्रदान नहीं करती है। इस मामले में केबल ऑपरेटरों ने भी सरकार से शिकायत की है।

*एबीआईएस नॉलेज समिट **2021** वस्तुतः **21–23** अक्टूबर **2021** तक आयोजित किया जायेगा। **22** अक्टूबर को स्कैट उद्योग को कवर करने वाला एक केंद्रित सत्र होगा और इसमें फायरसाइड चैट, पैनल सत्र और प्रौद्योगिकी प्रस्तुतियां होगी। कृपया पहले से पंजीकरण करें।*

(Manoj Kumar Madhavan)